

*TO INSCULP, v. a.* तक्ष (c. 1. तक्षति-लिखति), उपस्कृ, मुद्राङ्क, तक्षणे कृ.  
INSECT, *s.* कीटः-टकः, कृमिः *m.*, क्रिन्तिः *m.*, नौलङ्कुः *m.*, नौलङ्कुः,  
सर्पः-पी-पिपी.

INSECTILE, *a.* कीटजातीयः-या-यै, कीटधर्मी-स्त्री-म्नै (नृ).

INSECTIVOROUS, *a.* कीटभोजी-जिनी-जि (नृ), कीटभक्षकः-का-कै,  
कीटशरी &c.

INSECURE, *a.* शङ्काः-ङ्का-ङ्कै, शङ्कनीयः-या-यै, शङ्कः-क्या-क्यै, शङ्का-  
वित्रः-ता-तै, समयः-या-यै, संशयापन्नः-चा-चै, शङ्कापन्नः-चा-चै,  
संशयस्थः-स्या-स्यै, संशयात्मकः-का-कै, भयपुङ्क-क्का-कै, शङ्कास्यदं.

INSECURITY, *s.* समयता, संशयता-तै, शङ्कनीयता, संशयापन्नता, भयशङ्का,  
भयसंशयः, भयं, शङ्का, संशयः, सत्यमः-नं.

INSENSATE, *a.* निवेष्टः-धा-धै, निर्वेष्टिः-दिष्टि-दिष्टि, अवेष्टिमान्-मती  
-न्तृ (नृ), प्रमूढः-टा-टै, प्रमुग्धः-ग्धा-ग्धै, अचेतनः-ना-नै.

INSENSIBILITY, INSENSIBleness, *s.* (Want of corporeal sensibility)

अचेतनं, अचेतना, इन्द्रियस्वापः, इन्द्रियसुप्तिः *f.*, सुप्तिः *f.*, स्पर्शज्ञानं,  
स्पर्शानभिज्ञता, नरेन्द्रियता, इन्द्रियनाशः.—(Want of emotion or  
tenderness) रागहीनता, विकाराभावः, भावहीनता, रसहीनता, दया-  
हीनता, कृपाहीनता.—(Dullness, torpor) जडता, मर्दिमा *m.* (नृ),  
जड्यं, अविना, कुसदा.—(Loss of consciousness, fainting)  
चेतनाहानिः *f.*, चेतन्यहानिः *f.*, चेतन्यनाशः, नष्टचेतना, संज्ञाहानिः *f.*,  
चेतनाहानिः *f.*, चित्तवैकल्यं, मोहः, प्रमोहः, प्रलयः, मूर्च्छा-ज्ज्ञेना.

INSENSIBLE, *a.* (Imperceptible) अगोचरः-रा-रै, इन्द्रियागोचरः-रा-रै,  
इन्द्रियाग्रस्तः-छा-छै, इन्द्रियाविषयः-या-यै, अतीन्द्रियः-या-यै,  
अलक्ष्यः-स्या-स्यै.—(Wanting corporeal sensibility) अचेतनः-ना-नै,  
विचेतनः-ना-नै, विमोहः-हा-है, नरेन्द्रियः-या-यै, सुम्रेन्द्रियः-  
या-यै, सुप्तः-ता-तै, स्पर्शानभिज्ञः-हा-है.—(Void of emotion,  
feeling, or tenderness) रागहीनः-ना-नै, रसहीनः-ना-नै,  
दयाहीनः-ना-नै, निर्दयः-या-यै, कुपारहितः-ता-तै, अनार्द्रचित्तः-  
चा-चै, अद्रुपचित्तः-चा-चै.—(Dull, torpid) जडः-डा-डै, कुसदः-  
खदा-खदै, अविना-ना-नै.—(Void of consciousness, faint) नष्टचेतनः-  
ना-नै, गतचेतनः-ना-नै, चेतन्यरहितः-ता-तै, अचेतनः-  
ना-नै, विचेतनः-ना-नै, निचेतनः-ना-नै, गतचेताः-ता-तै (नृ),  
नष्टचेतनः-हा-है, निःसंज्ञः-हा-है, संज्ञाहीनः-ना-नै, नष्टचेतः-हा-है,  
निचेतितः-ता-तै, असंज्ञः-हा-है, गतसंज्ञः-हा-है, मृतकस्यः-स्या-स्यै,  
प्रमूढः-टा-टै, प्रमुग्धः-ग्धा-ग्धै, मोहितः-ता-तै, प्रमोहितः-ता-तै,  
प्रलोभः-ना-नै, मूर्च्छितः-ता-तै.

INSENSIBLY, *adv.* (Imperceptibly) इन्द्रियागोचरं, अचक्षुः, अलक्ष्यप्र-

कारणं, (Gradually) क्रमे क्रमे, क्रमशः, क्रमेण, शनैः, पदशः,  
पदे पदे, शनैः शनैः.

INSENTIENT, *a.* अचेतनः-ना-नै, विचेतनः-ना-नै, अप्राज्ञभूतः. See

INSENSIBLE.

INSEPARABLE, *a.* अविद्योन्नयः-न्या-न्यै, अविद्योन्नयः-या-यै, अमेधः-  
धा-धै, अमेदनीयः-या-यै, अविभेदः-धा-धै, विद्योन्नयशून्यः-क्या-  
क्यै, अविभजनीयः-या-यै, अपृथक्स्थायीः-या-यै, अतृप्यकरणीयः-  
या-यै, नित्यसम्बन्धी-विधनी-विध (नृ), नित्यसहपरी-तिनी-ति (नृ),  
समवायसम्बन्धी &c., समवायी &c.; 'inseparable relation,' समवाय-  
सम्बन्धः, समवायिकरणं.

INSEPARABLENESS, *s.* अविद्योन्नयता, अमेधता, अविभेदता, नित्यसम्बन्धः.

INSEPARABLY, *adv.* अविभेदनीयं, अविद्योन्नयनीयं, नित्यसम्बन्धेन, दृढसम्बन्धेन,  
समवायसम्बन्धेन, यथा विद्योक्तं न शक्नोते तथाप्रकारेण.

*TO INSLERT, v. a.* निविष्ट (c. 10. वेष्टयति-विधुः), प्रविष्ट, आविष्ट, समा-

विष्ट, अनगतं-ता-तै कृ, अनरस्यं-स्या-स्यै कृ, अनस्थितं-ता-तै कृ,  
अनः स्या in caus. (स्थापयति-विधुः), निष्ठा (c. 3. दूपाति-धातु),  
न्यस् (c. 4. अस्थाति-अस्ति); 'insert in writings,' अमिलिख  
(c. 6. लिखति-लिखितुं), पत्रे or लेख्ये समु in caus. (अप्रेषयति-विधु)  
or सारह् in caus. (रोपयति-विधु).

INSERTED, *p. p.* निवेशितः-ता-तै, प्रवेशितः-ता-तै, समावेशितः-ता-तै,  
निविष्टः-हा-है, अनगतः-ता-तै, अनरस्यः-स्या-स्यै, निहितः-ता-  
तै, प्रवाकलितः-ता-तै; 'in writing,' अमिलिखितः-ता-तै, लेख्या-

रुढः-टा-टै, लेख्यारोपितः-ता-तै.

INSERTION, *s.* निवेशः-ज्ञानं, प्रवेशः-ज्ञानं, आवेशज्ञं, समावेशज्ञं, अनःस्थापनं,  
निधानं, आरोपणं, समर्पणं; 'in writing,' अमिलिखनं, लेख्यारोपणं,  
लेख्यसमर्पणं.

*TO INSHRINE, v. a.* See *TO ENSHRINE*.

INSIDE, *s.* (Interior of anything) अन्तरगतः, अन्तरः, गर्भः, उदरः, क्रोहः,  
अन्तःभागः, अन्तर्भागः, चिह्नं, विवरः, कुहरीः 'the inside of a  
house,' गृहाभ्यन्तरं, अन्तर्गृहं, अन्तर्भवनं, भवनोदरः; 'the inside of a  
boiler,' स्थालीचिह्नं; 'the inside of a tree,' तर्ककोटर-रै,  
तर्कक्रोहः.

INSIDE, *adv.* अन्तर्गतं, अन्तरं, अन्तरः; 'inside the house,' गृहाभ्यन्तरं.

INSIDIOUS, *a.* छली-लिनी-लि (नृ), छलनायकः-रा-रै, कपटी-दिनी-  
दि (नृ), कापटिकः-को-कै, मायी-पिनी-पि (नृ), बहुमायः-या-यै,  
भूरिमायः-या-यै, मायान्वितः-ता-तै, मायाकरः-रौ-रै, मायापटुः-टुः-  
टु, कापटिकः-को-कै, कथायः-ना-नै, छात्रिकः-को-कै, प्रतारकः-  
का-कै, उपजापकः-का-कै, वचकः-का-कै, मोही-हिनी-हि (नृ),  
प्रलोभकः-का-कै.

INSIDIOUSLY, *adv.* छलेन, सकपटं, समायं, मायया, स्यात्तं, उपजापकवत्,  
प्रलोभनायं, सकटं, छसपुष्टं, चक्षुनायं, कितवत्, भूषेवत्.

INSIDIOUSNESS, *s.* सकपट्यत्वं, कापट्यं, कूटना, सकूटना, स्यान्ता, काप-

टिकत्वं, वचकत्वं, कीटिकत्वं, छात्रिकत्वं, उपजापः.

INSIGHT, *s.* अभिनिवेशः, निवेशः, प्रवेशः, परिज्ञानं, अभिज्ञानं, ज्ञानं,  
परिचयः, निरीक्षणं, खवेक्षणं, आलोचनम्.

INSIGNIA, *s.* चिह्नं, लक्षणं, लिङ्गं, च्छन्नं, उपकरणं; 'insignia of  
royalty,' राजलक्षणं, राजचिह्नं, नूपलक्ष *n.* (नृ); these are  
'the parasol,' छत्रं, and 'the fan,' चामरः; 'bearing of royal  
insignia,' प्रक्रिया, अधिकारः.

INSIGNIFICANCE, INSIGNIFICANCY, *s.* (Want of meaning) अनर्थक्यं,  
निरर्थक्यं, अनर्थक्यं, अर्थहीनता, अर्थशून्यता, अर्थभावः, अनर्थक्यं.

—(Unimportance) लघुता, लघुपदं, लघिना *m.* (नृ), प्रभावहीनता,  
अल्पप्रभावता, अल्पत्वं, अगुरुता, अगौरवः, गौरवहीनता.—(Meanness)  
लघुपदं, लघुपूजिता, लघुता, कदयत्वं, तुच्छत्वं, अपकृष्टता, अपकथं,  
कुसितत्वं, दीनता, निःसंज्ञं, सखहीनता, क्षुब्धकत्वं.

INSIGNIFICANT, *a.* (Void of meaning) अनर्थकः-का-कै, निरर्थकः-  
का-कै, निरर्थः-धा-धै, अर्थहीनः-ना-नै, अर्थशून्यः-न्या-न्यै, अर्थ-  
वाचकः-का-कै, अर्थवाचकः-का-कै.—(Unimportant) लघुः-धुः-  
धु, अगुरुः-रु-रौ, अल्पप्रभावः-वा-वै, प्रभावहीनः-ना-  
नै, गौरवहीनः-ना-नै, अल्पः-स्या-स्यै, अल्पः-स्या-स्यै, अल्प-  
विकृतः-रौ-रै.—(Mean) तुच्छः-टु-टु, कदयः-या-यै, लघुपूजितः-  
ति-ति, तुच्छः-ज्ज्ञेना-ज्ज्ञेना, अपकृष्टः-हा-है, कुसितः-ता-तै, निःसंज्ञः-  
स्या-स्यै, सखहीनः-ना-नै, नृप्रप्रायः-या-यै, अल्पिकृतीति-ति-  
ति, किम्बन्धन-व्यती-व्यती (रु); 'insignificant person,' सुद्रजनः,  
अवनतः.